INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
(Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal)
ISSN: 2945-3127
Vol. 1, Issue -2, (2022)
Impact Factor: 2.03

माध्यमिक स्तर की छात्राओं के छात्रावास जीवन का शैक्षणिक प्रदर्शन पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन

सीमा मित्तल
शारीरिक शिक्षा एवं शिक्षा संकाय
माधव विश्वविधालय पिण्डवाड़ा
सिरोही, राजस्थान।

डॉ. अवधेश आर्या (डीन)
शारीरिक शिक्षा एवं शिक्षा संकाय
माधव विश्वविधालय पिण्डवाड़ा

प्रस्तावना—

छात्रावास परिवार से अलग दूरस्वराज के क्षेत्रों में शिक्षा ग्रहण करने आए छात्र—छात्राओं का निवास स्थान है जो विधालय एवं संस्थाओं या समुदायों द्वारा संचालित होते है इसमें विद्यार्थियो के शारीरिक मानसिक व नैतिक गुणों के साथ भोजन एवं मनोरंजर के साधन भी उपलब्ध होते हैं। आज के बदलते परिवेश में एक ओर जहाँ भौतिकवादी विचारधारा बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर अध्ययन का दबाव व चुनौतियां भी विद्यार्थी जीवन का अहम हिस्सा बन गये हैं। छात्रावास में रहते हुए कई ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित होती हैं जो विद्यार्थी के व्यवहार में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से प्रभाव डालती है।

की वर्ड—

1. छात्राओं की आवास सुविधा, समायोजन का शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव।

अमूर्त

उद्देश्य

अध्ययन का उद्देश्य छात्राओं के छात्रावास जीवन का शैक्षणिक प्रदर्शन पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन करना है।

डिजाइन/पद्धति

इस अध्ययन के लिए जोधपुर के माध्यमिक स्तर की 210 छात्राओं को यादृच्छिक विधि के द्वारा चुना गया जो विद्यालय के रहवासीय परिसर में निवास करती है । एक अच्छी तरह से परिभाषित प्रश्नावली का उपयोग करके आकंड़ो को एकत्रित किया गया और निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए सांख्यिकीय तकनीक (एम.पी.एस.एस.) का प्रयोग करके विश्लेषण किया गया।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2022
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
(Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal)
ISSN: 2945-3127
Vol. 1, Issue -2, (2022)
Impact Factor: 2.03

निष्कर्ष

अनुभव जन्य अध्ययन से पता चलता है कि छात्रावास में प्रदान करने वाली सुविधाओं व सहपाठियों का व्यवहार उच्च समायोजन की तरफ प्रेरित करता है, साथ ही समायोजन की उच्च दशा में शैक्षणिक प्रगति भी उच्च दिशा में होती हैं। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि समायोजन के लिए भावात्मक समायोजन सार्थक रूप से अपनी सक्रिय भूमिका निभाता है। अध्ययन इस बात की ओर इंगित करता है कि छात्रावास में उच्च समायोजन उच्च शैक्षणिक प्रगति को दर्शाता है।

व्यवहारिक निहितार्थ

छात्रावास प्रशासन को छात्रावास में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर अधिक ध्यान देना चाहिए विशेष रूप से सहपाठियों के व्यवहार को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

शैक्षिक निहितार्थ

छात्रावास का माहौल छात्राओं के लिए प्रेरणादायक स्रोत के रूप में होना चाहिए जिससे उनकी शैक्षणिक विकास में उतरोतर प्रगति हो सके। साथ ही समायोजन में उच्च समायोजन के लिए बेहतरीन प्रयास होने की आवश्यकता है।

सामाजिक निहितार्थ छात्रावास जीवन छात्रों के शैक्षणिक जीवन का प्रमुख घटक है। जो सीखने के उद्देश्य से अपना घर छोड़कर यहाँ रहते है। छात्रावास जीवन का शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालने वाले कारकों का शैक्षिक अधिकारियों द्वारा ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची

1. अस्थाना मोहन स्वरूप (1999) ''शिक्षा एवं विद्यार्थी, संगम प्रकाशन गाजियाबाद।
2. बरने तथा लेहनर (1953) ''असामान्य मनोविज्ञान'' मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
3. मिश्रा डा. महेन्द्र (2009) ''समायोजन मनोविज्ञान अर्जुन पब्लिशिंग हाउस।
4. मिश्रा अन्जू (2007) ''अधिगम कक्षा का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया यूनिवर्सिटी बुक हाउस।
5. कुमार एस (2018) भावात्मक बुद्धिमता और समाज के बीच समायोजन का अध्ययन
6. भागर्व महेश (2010) ''आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण' एवं मापन, एच.पी. भागर्व बुक हाउस।
7. सोनवर बी.के. एवं देवांगन आर. (2020) एक तुलनात्मक अध्यन के बीच समायोजन शहरी और ग्रामीण छात्र माईण्ड एण्ड सोसाइटी 09 (III & IV) 10—13

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2022
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International